

बुद्ध, मथुरा

The Buddha, Mathura

BUDDHIST

SCULPTURES AND MONUMENTS

PUBLICATIONS DIVISION
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

First published: May 24, 1956
Reprinted: June 1994 (Jyaistha 1916)

ISBN: 81-230-0177-0

Price: Rs. 45/-

PUBLISHED BY THE DIRECTOR PUBLICATIONS DIVISION
MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
GOVERNMENT OF INDIA
PATIALA HOUSE NEW DELHI-110 001

Sales Emporia • Publications Division

SUPER BAZAR, CONNAUGHT CIRCUS, NEW DELHI-110 001

COMMERCE HOUSE, CURRIMBHOY ROAD BALLARD PIER, BOMBAY-400 038

8 ESPLANADE EAST, CALCUTTA-700 069

L.L.A. AUDITORIUM, 736 ANNA SALAI, MADRAS-600 002

BIHAR STATE CO-OPERATIVE BANK BUILDING, ASHOKA RAJPATH, PATNA-800 004

PRESS ROAD, THIRUVANANTHAPURAM-695 001

10-B STATION ROAD, LUCKNOW-226 019

STATE ARCHAEOLOGICAL MUSEUM BUILDING, PUBLIC GARDENS. HYDERABAD-500 004

Printed at Mayar Printers, F-83, Okhla Industrial Area-I, New Delhi-110 020.



माया का स्वप्न, भारहुत

The Dream of Maya, Bharhut



सिद्धार्थ का जन्म, नालन्दा

The Birth of Siddhartha, Nalanda



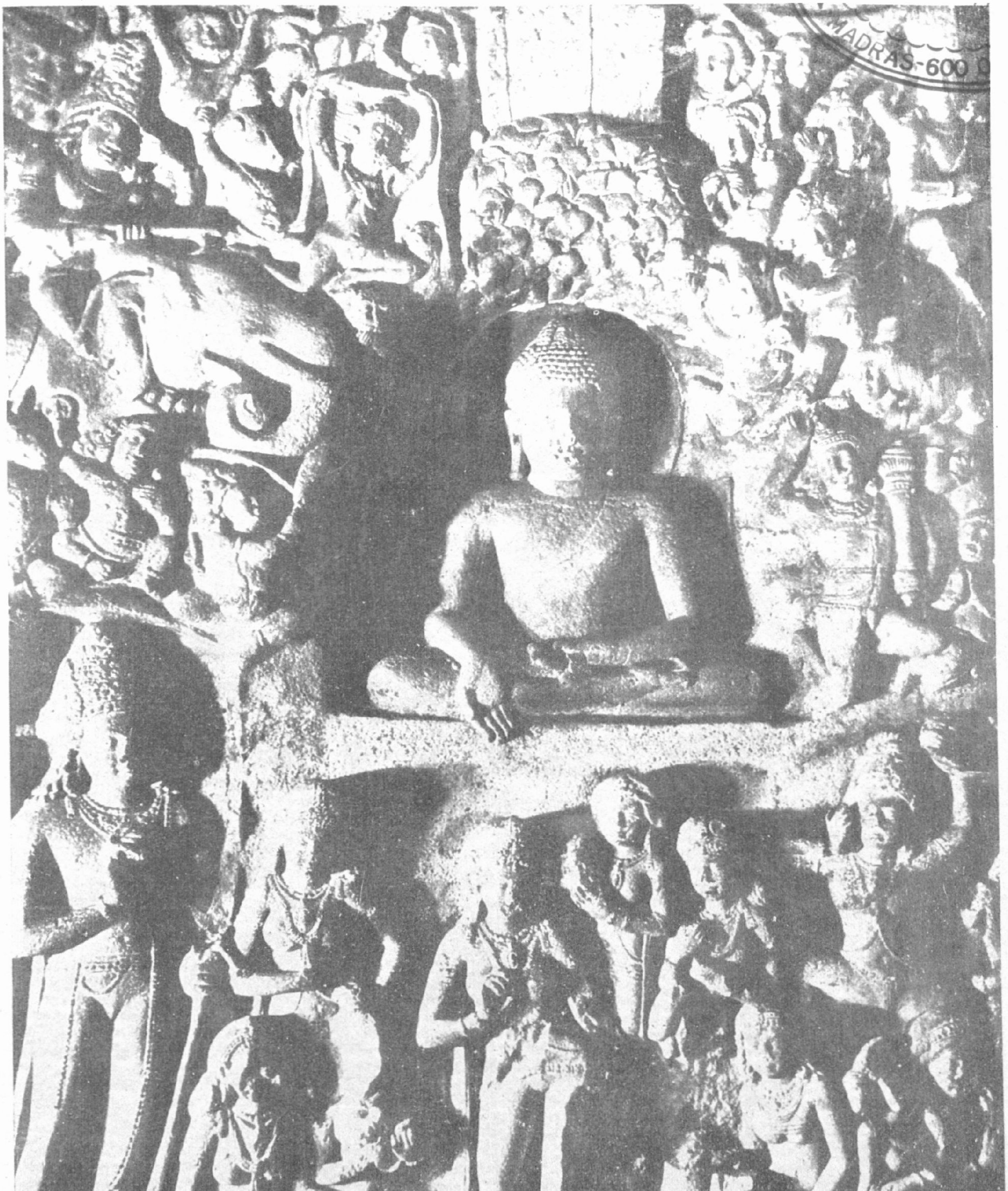
महाभिनिष्क्रमण, नागार्जुनकोण्ड

The Great Renunciation, Nagarjunakonda



केश कर्तन, तिब्बत

The Cutting of
the Hair, Tibet



मार का आक्रमण, छब्बीसवीं गुफा, अजन्ता

Mara's Attack, Cave 26, Ajanta



बोधि प्राप्ति, अमरावती

The Enlightenment, Amaravati



प्रथम उपदेश देते
हुए बुद्ध, सारनाथ

The Buddha
preaching the
First Sermon,
Sarnath



काश्यपों को धर्म दीक्षा, साँची

The Conversion of the Kasyapas, Sanchi



श्रावस्ती का महान् चमत्कार, गन्धार

The Great Miracle of Sravasti, Gandhara



महापरिनिर्वाण, बंगाल

Mahaparinirvana, Bengal



बुद्ध का मस्तक, गन्धार

Head of the Buddha, Gandhara



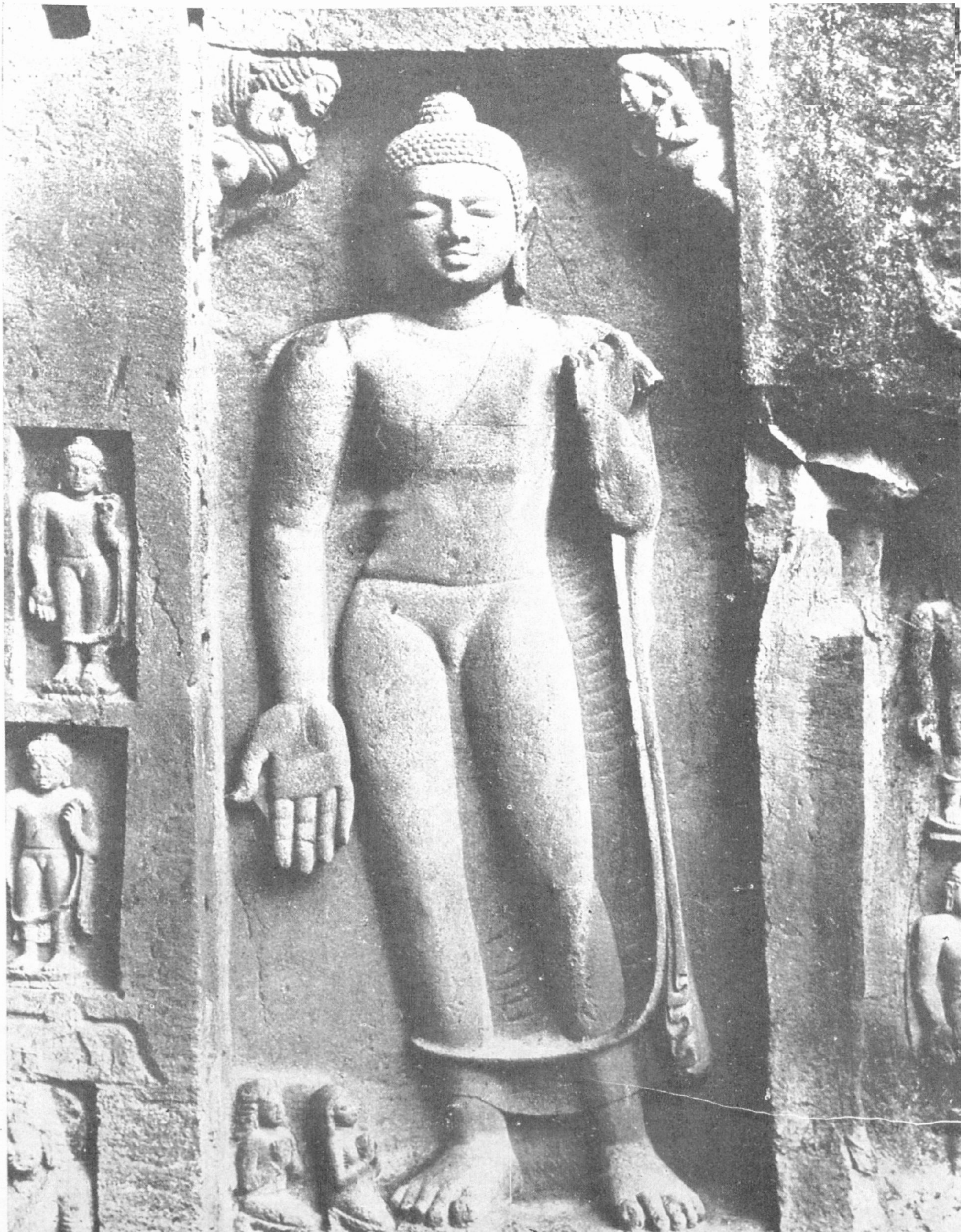
बुद्ध की पलस्तर (स्टको) मूर्ति, तक्षशिला

Buddha Figures in stucco, Takṣasila



बुद्ध, मथुरा

The Buddha, Mathura



वरदमुद्रा में बुद्ध, उन्नीसवीं गुफा, अजन्ता   The Buddha in Varadamudra, Cave 19, Ajanta



अभयमुद्रा में
बुद्ध, नालन्दा

The Buddha in
Abhayamudra,
Nalanda

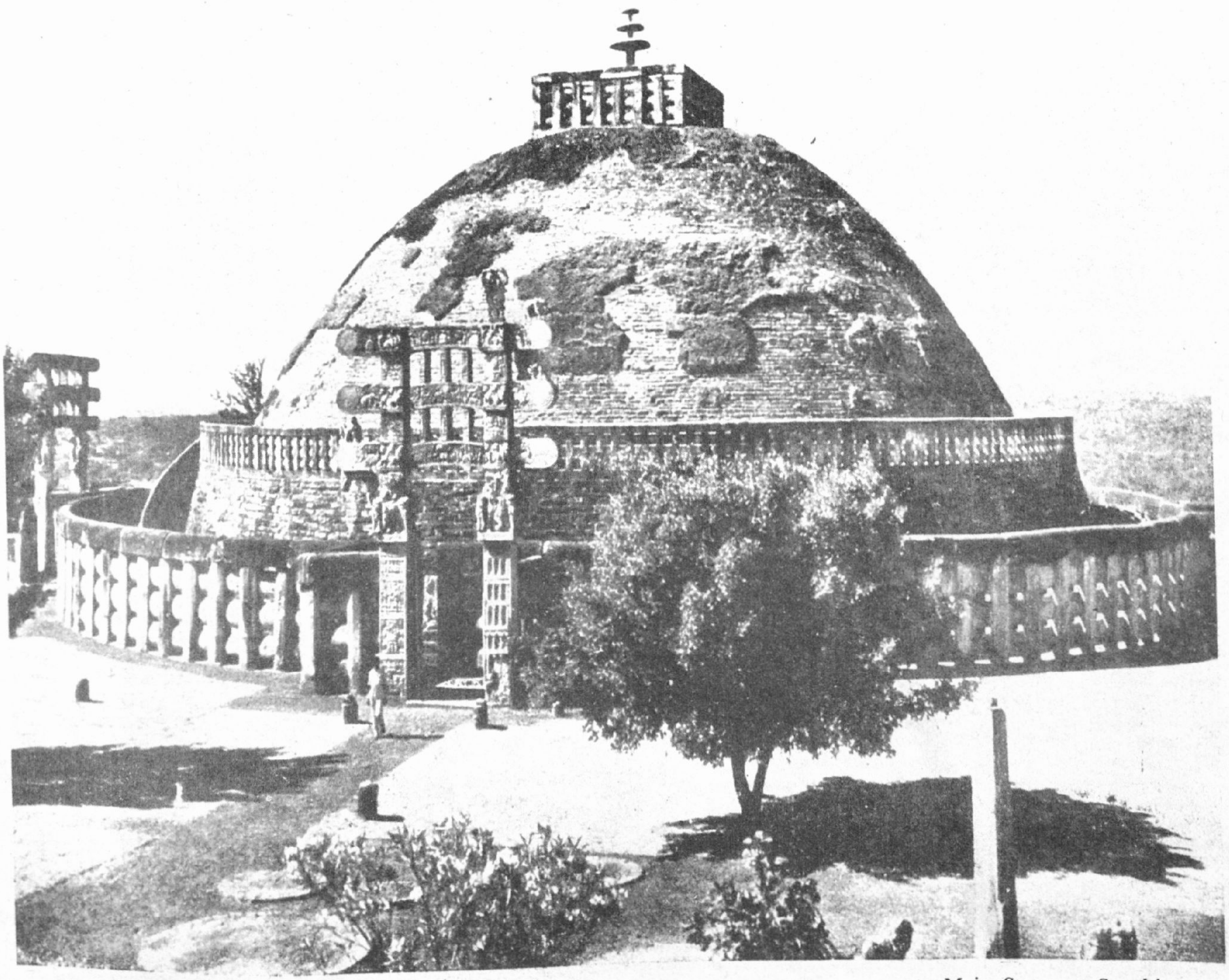


भूमिस्पर्शमुद्रा में बुद्ध, बंगाल The Buddha in Bhumisparsamudra, Bengal



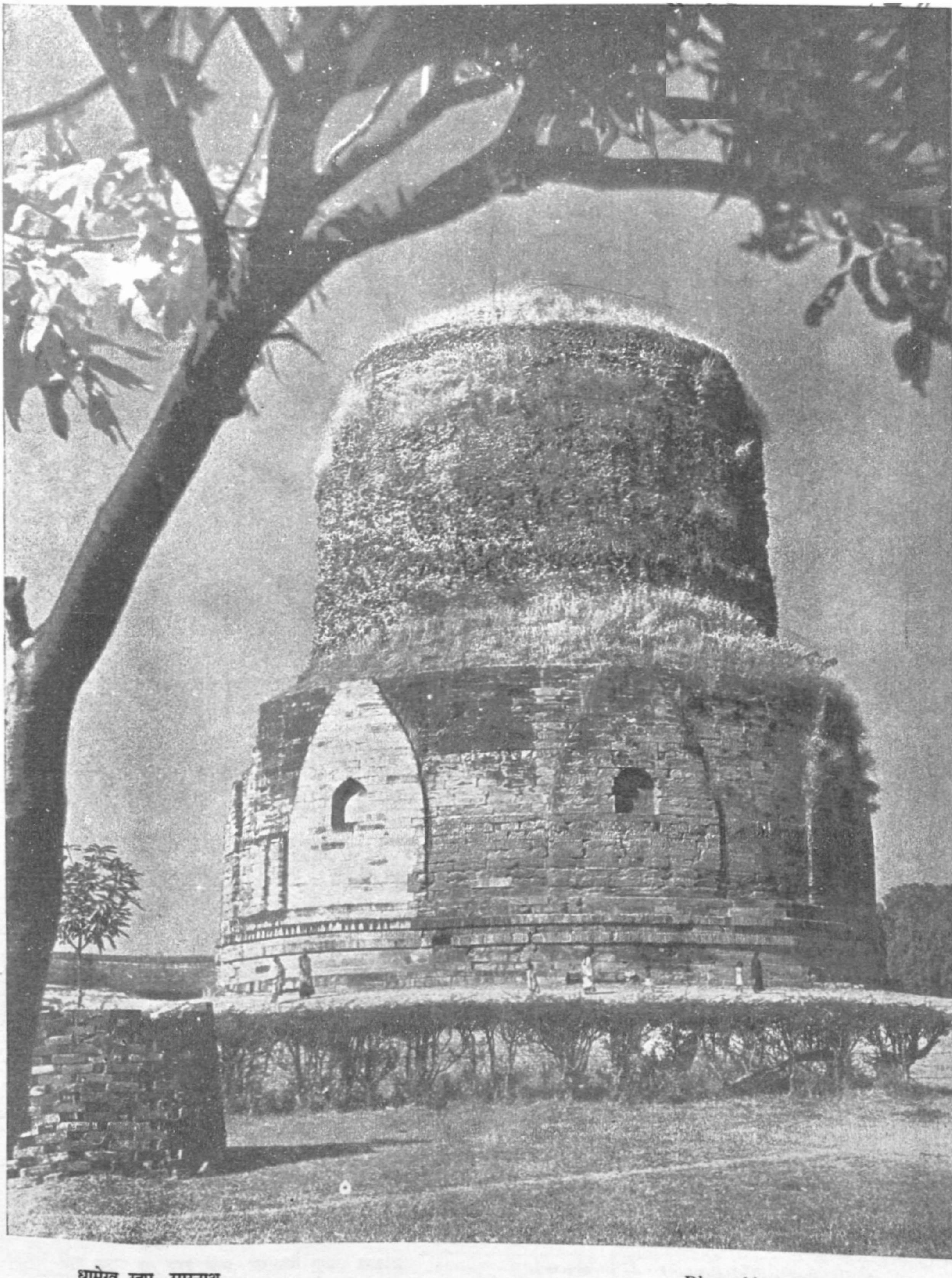
बोधिसत्व पद्मपाणि, पहली गुफा, अजन्ता

Bodhisattva Padmapani, Cave 1, Ajanta



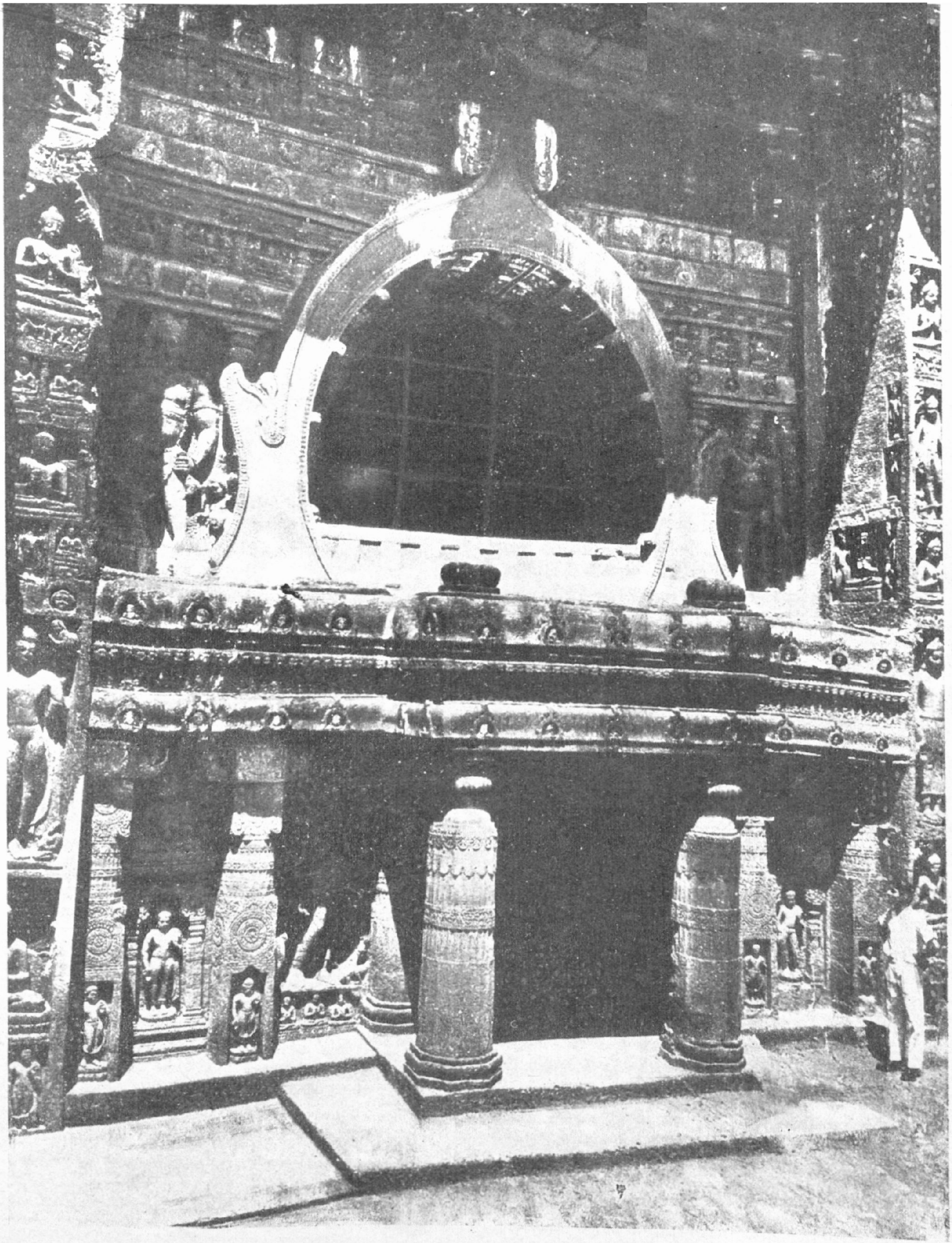
साँची का मुख्य स्तूप

Main Stupa at Sanchi



धामेख स्तूप, सारनाथ

Dhamekh Stupa, Sarnath



चैत्य भवन का मुख भाग, उन्नीसवीं गुफा, अजन्ता

Facade of the Chaitya Hall, Cave 19, Ajanta

टिप्पणियाँ

मुख पृष्ठ — बुद्ध। पाषाण, मथुरा, गुप्तकाल, पाँचवी शताब्दी ईस्वी, राष्ट्रीय संग्रहालय, नयी दिल्ली।

१. माया का स्वप्न। पाषाण, शुंगकाल, भारहुत, दूसरी शताब्दी ई० पू०, भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता।

इसमें बोधिसत्व शाक्यमुनि का श्वेत हस्ती के रूप में माया के गर्भ में प्रवेश दिखाया गया है।

२. सिद्धार्थ का जन्म। पाषाण, नालन्दा, ग्यारहवीं शताब्दी ईस्वी, भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता।

इसमें लुम्बिनी कुंज में साल वृक्ष को एक शाखा पकड़े हुए खड़ी माता माया के दायें ओर से बोधिसत्व का चमत्कारपूर्ण जन्म दिखाया गया है। जन्म के तुरन्त बाद बोधिसत्व भूमि पर सीधे खड़े हुए और अपनी निर्विवाद श्रेष्ठता का उद्घोष करते हुए सात डग चले।

३. महाभिनिष्क्रमण। चूने का पत्थर, नागार्जुनकोण्ड, तीसरी शताब्दी ईस्वी।

जीवन के भ्रमात्मक आनन्दों से बचने तथा निर्वाण का मार्ग ढूँढ़ निकालने का दृढ़ निश्चय करके बोधिसत्व (राजकुमार सिद्धार्थ) कपिलवस्तु का त्याग करते हैं। देवता समर्थन करते हैं, और चार देवता घोड़े के खुरों को ऊपर उठाये हुए हैं जिससे टाप की आवाज़ न सुनायी पड़े।

४. केश कर्तन। मन्दिर की पताका, तिब्बत (इस समय गिमे संग्रहालय, पेरिस में) सत्रहवीं शताब्दी ईस्वी।

सन्यासी का जीवन बिताने के लिए क्योंकि लम्बी लटों का कोई लाभ नहीं, इसलिए राजकुमार सिद्धार्थ अपने केश काट रहे हैं।

५. मार का आक्रमण। छब्बीसवीं गुफा, अजन्ता, लगभग सातवीं शताब्दी ईस्वी।

बोधिसत्व बोधि वृक्ष के नीचे ध्यानावस्थित हैं और दुष्टात्मा मार उनको लोभन दे रहा है, किन्तु बोधिसत्व ध्यान में निर्विघ्न रूप से संलग्न हैं।

६. बोधि-प्राप्ति। चूने का पत्थर, अमरावती, पहली शताब्दी ई० पू०, ब्रिटिश संग्रहालय, लन्दन।

भारतीय कला की परम्पराओं के अनुरूप यहाँ बोधि वृक्ष के माध्यम से बोधि-प्राप्ति का दिग्दर्शन कराया गया है।

७. प्रथम उपदेश देते हुए बुद्ध। पाषाण, सारनाथ, गुप्तकाल, पाँचवी शताब्दी ईस्वी, पुरातत्व सम्बन्धी संग्रहालय, सारनाथ।

भारतीय कला की इस अनुपम कृति में बुद्ध को सारनाथ में प्रथम उपदेश देते हुए दिखाया गया है। इसके निचले भाग में सुविख्यात प्रतीक 'धर्मचक्र' तथा अनुयायियों के चित्र खुदे हुए हैं।

८. काश्यपों को धर्म-दीक्षा। पाषाण, दक्षिणी स्तम्भ, पूर्वी तोरण, प्रथम स्तूप, पहली शताब्दी ई० पू०।

प्रथम उपदेश देने तथा सारनाथ में कई लोगों को धर्म-दीक्षा देने के बाद बुद्ध उरुवेला आये जहाँ उन्होंने कई चमत्कार दिखाये। इन्ही चमत्कारों में एक चमत्कार बाढ़ से बढ़ी हुई निरंजना नदी के पानी पर चलने का था जैसा कि यहाँ दिखाया गया है। इसी के परिणामस्वरूप काश्यपों ने धर्म-दीक्षा ली।

९. श्रावस्ती का महान चमत्कार। शिष्ट, गन्धार, दूसरी-तीसरी शताब्दी ईस्वी, केन्द्रीय संग्रहालय, लाहौर।

श्रावस्ती में छः पाखण्डी गुरुओं पर, जिन्हें अपनी चमत्कारिक शक्ति का गर्व था, श्रेष्ठता स्थापित करने के लिए बुद्ध ने अपने चमत्कार दिखाये। इसमें बुद्ध अपने स्वरूपों का स्वर्ग तक विस्तार करते हुए दिखाये गये हैं, जिसे देखकर पाखण्डी आश्चर्य में पड़ जाते हैं।

१०. महापरिनिर्वाण। पाषाण, बंगाल, लगभग दसवीं शताब्दी ईस्वी, आशुतोष संग्रहालय, कलकत्ता।

इसमें कुशीनगर में बुद्ध का महानिर्वाण दिखाया गया है।

११. बुद्ध का मस्तक। चूने का बना हुआ, गन्धार, चौथी-पाँचवीं शताब्दी ईस्वी, विक्टोरिया तथा अल्बर्ट संग्रहालय, लन्दन।

लहरदार बालों तथा उष्णीय पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

१२. बुद्ध की पलस्तर (स्टको) मूर्ति। मध्यस्थित मूर्ति में वे ध्यानावस्थित हैं। जौलियन विहार, तक्षशिला, लगभग पाँचवी शताब्दी ईस्वी।

१३. बुद्ध। पाषाण, मथुरा, गुप्तकाल, पाँचवी शताब्दी ईस्वी, राष्ट्रीय संग्रहालय, नयी दिल्ली।

मूर्ति अपनी पूर्णता तथा भव्यता के लिए अद्वितीय है। सिर के पीछे एक कलात्मक प्रभामण्डल है, जो गुप्तकालीन कला की विशेषता है।

१४. वरदमुद्रा में बुद्ध। उन्नीसवीं गुफा, अजन्ता, लगभग छठी शताब्दी ईस्वी।

यहाँ बुद्ध वरदान देते हुए दिखाये गये हैं। मूर्ति की सौम्यता गुप्तकालीन कला की विशेषता है।

१५. अभयमुद्रा में बुद्ध। कांस्य, नालन्दा, नवीं शताब्दी ईस्वी, राष्ट्रीय संग्रहालय, नयी दिल्ली।

गुप्तकालीन कला की परम्पराओं पर आधारित मूर्ति महान सौन्दर्य और गठन की श्रेष्ठता से परिपूर्ण है।

१६. भूमि-स्पर्श मुद्रा में बुद्ध। पाषाण, बंगाल, लगभग दसवीं शताब्दी ईस्वी, आशुतोष संग्रहालय, कलकत्ता।

पाल युग की इस विशेष कलाकृति में बारीक खुदाई का दिग्दर्शन होता है।

१७. बोधिसत्व पद्मपाणि। भित्ति चित्र, पहली गुफा, अजन्ता, लगभग सातवीं शताब्दी ईस्वी।

एक अनुपम कृति, मूर्ति अपनी आध्यात्मिकता के भाव के चित्रण तथा भव्यता के लिए प्रसिद्ध है।

१८. साँची का मुख्य स्तूप। तीसरी शताब्दी से पहली शताब्दी ई० पू०।

अशोक द्वारा मूल रूप से बनवाये गये ईंटों के स्तूप पर एक शताब्दी बाद पत्थर जड़वा दिये गये, तथा पहली शताब्दी ईसा पूर्व में इसके चारों ओर चार द्वार भी बनवा दिये गये।

१९. धामेख स्तूप। सारनाथ, लगभग छठी शताब्दी ईस्वी।

एक रम्भाकार स्तूप, स्तूप के निचले अर्द्धभाग में आले बने हुए हैं, जिसमें बुद्ध की मूर्तियाँ रखने का ही विचार था। स्तूप के निचले भाग में अजन्ता की गुफाओं की छत की नक्काशी जैसी खुदाई के ही नमूने हैं।

२०. चैत्य भवन का मुख भाग। उन्नीसवीं गुफा, अजन्ता, लगभग छठी शताब्दी ईस्वी।

इस भाग के शान्त-स्निग्ध सौन्दर्य की इसके पूर्व के बने हुए मुख-भागों के सादे चित्रण से तुलना की जा सकती है।

हम चित्र संख्या ३, ५, ७, ८, १२, १३, १४, १५, १८, २० के लिए भारत सरकार के पुरातत्व विभाग के; चित्र सं० ४ के लिए पेरिस स्थित गिमे संग्रहालय के; चित्र सं० ६ के लिए लन्दन स्थित ब्रिटिश संग्रहालय के; चित्र सं० ९ के लिए लाहौर के केन्द्रीय संग्रहालय के तथा चित्र सं. ११ के लिए लन्दन के विक्टोरिया तथा अल्बर्ट संग्रहालय के आभारी हैं।

NOTES

Frontispiece—The Buddha. Stone, Mathura, Gupta, 5th century A.D., National Museum, New Delhi

1. **The Dream of Maya. Stone, Sunga, Bharhut, 2nd century B.C., Indian Museum, *Calcutta***
   This depicts the descent of the Bodhisattva Sakyamuni as a white elephant into the womb of Maya.

2. **The Birth of Siddhartha. Stone, Nalanda, 11th century, A.D., Indian Museum, Calcutta**
   This illustrates the miraculous birth of the Bodhisattva from the right side of his mother, Maya, *as she stands in the* Lumbini grove, holding a branch of a sala tree. Soon after his birth the Bodhisattva stood erect on the ground and took seven steps, proclaiming his undisputed supremacy in the world.

3. **The Great Renunciation. Limestone, Nagarjunakonda, 3rd *century* A.D.**
   Determined to escape from the illusory pleasures of life and find a way of deliverance, the Bodhisattva (Prince Siddhartha) leaves Kapilavastu. The gods express approval, and four *devas* hold aloft the hoofs of the horse to deaden their sound.

4. **The Cutting of the Hair. Temple banner, *Tibet (now in Musee* Guimet, Paris), 17th century A.D.**
   As long locks do not befit a recluse, Prince Siddhartha cuts off his hair.

5. **Mara's Attack. Cave 26, Ajanta, c. 7th century A.D.**
   The Boddhisattva is *seated under* the Bodhi tree and Mara, the Evil One, puts temptation in his way. The Bodhisattva, however, remains undaunted and unperturbed.

6. **The Enlightenment. Limestone, Amaravati, *1st century* B.C., British Museum, London**
   True to early Indian art traditions, the Enlightenment is represented symbolically here through the Bodhi tree.

7. **The Buddha preaching the First Sermon. Stone, Sarnath, Gupta, 5th century A.D., *Archaeological* Museum, Sarnath**
   A masterpiece of Indian art, the image represents the Buddha delivering the first sermon at Sarnath. On the pedestal are carved the well-known Dharmacakra symbol and worshippers.

8. ***The Conversion of the* Kasyapas. Stone, south pillar, east gateway, Stupa I, Sanchi, 1st century B.C.**
   After delivering the first sermon and converting a number of people at Sarnath the Buddha came to Uruvela, where he performed a series of miracles, including walking upon the waters of the river Niranjana in flood, as shown here, which led *to the conversion of the* Kasyapas.

9. **The Great Miracle of Sravasti. Schist, Gandhara, 2nd-3rd century A.D., Central Museum, Lahore**
   The Buddha performed miracles at Sravasti to establish his superiority over the six heretical teachers who were proud of their magic powers. The sculpture shows the Buddha repeating himself *in many images* reaching to heaven, thereby confounding the heretics.

10. **Mahaparinirvana. Stone, Bengal, c. 10th century A.D., Ashutosh Museum, Calcutta**
This represents the passing of the Buddha at Kusinagara.

11. **Head of the Buddha. Lime composition, Gandhara, 4th-5th century A.D., Victoria and Albert Museum, London**
The wavy hair and prominent Usnisa should be noted.

12. **Buddha figures in stucco. The central one is seated in meditation. Jaulian monastery, Taksasila, c. 5th century A.D.**

13. **The Buddha. Stone, Mathura, Gupta, 5th century A.D., National Museum, New Delhi**
The image is unique for its fulness and dignity of form. Behind the head is a large ornamented halo typical of Gupta art.

14. **The Buddha in Varadamudra. Cave 19, Ajanta, c. 6th century A.D.**
The Buddha is shown here bestowing boons. The sublimity of his bearing is characteristic of the Gupta images.

15. **The Buddha in Abhayamudra. Bronze, Nalanda, 9th century A.D., National Museum, New Delhi**
Based on Gupta art traditions, the image has singular charm and delicacy of form.

16. **The Buddha in Bhumisparsamudra. Stone, Bengal, c. 10th century A.D., Ashutosh Museum, Calcutta.**
A typical example of the Pala School of Art, the image shows exquisite chiselling.

17. **Bodhisattiva Padmapani. Wall painting, Cave 1, Ajanta, c. 7th century A.D.**
A unique specimen, the figure is distinguished by its spiritual tranquillity and dignity.

18. **Main Stupa at Sanchi, 3rd century B.C.—1st century B.C.**
The original brick stupa constructed by Asoka was encased in stone about a century later and the four gateways were added during the 1st century B.C.

19. **Dhamekh Stupa, Sarnath, c. 6th century A.D.**
A stupa of the cylindrical type, the structure has, half-way up the base, niches originally intended for images of the Buddha. There are, at the base. exquisite patterns in carving similar to the painted ceilings of Ajanta.

20. **Facade of the Caitya Hall. Cave 19, Ajanta, c. 6th century A.D.**
The mellow gracefulness of the structure may be compared with the ascetic look of the earlier facades.

Our grateful acknowledgements are due to the Department of Archaeology, Government of India, for the photographs of items Nos. 3, 5, 7, 8, 12, 13, 14, 15, 18 and 20; to the Musee Guimet, Paris, for the photograph of item No. 4; to the British Museum, London, for the photograph of item No. 6; to the Central Museum, Lahore, for the photograph of item No. 9 and to the Victoria and Albert Museum, London, for the photograph of item No. 11.